भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. 2501

सोमवार, 01 अगस्त, 2022/10 श्रावण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में पर्यटन उद्योग

2501. श्री राम कृपाल यादवः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) सरकार द्वारा बिहार में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) क्या सरकार का उक्त क्षेत्र के वकास के लए पाट लपुत्र संसदीय नर्वाचन क्षेत्र में स्थित उलार मंदिर को पर्यटन आकर्षण स्थल का दर्जा देने का वचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय अपनी "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) और "बाज़ार वकास सहायता सहित वदेशों में संवर्धन और प्रचार" (ओपीएमडी) योजनाओं के माध्यम से घरेलू और महत्वपूर्ण वैश्विक बाज़ारों में बिहार सहित भारत का एक गंतव्य के रूप में संवर्द्धन करता है। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की अतुल्य भारत वेबसाइट (अर्थात् **www.incrdibleindia.org**) और सोशल मी डया हैंडलस के माध्यम से बिहार सहित व भन्न गंतव्यों का भी नय मत रूप से संवर्द्धन कया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, वरासत संवर्धन अ भयान' (प्रशाद) और केंद्रीय एजें सयों को सहायता योजनाओं के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजें सयों को वत्तीय सहायता प्रदान करता है। उक्त योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से वकास के लए परियोजनाओं को चह्नित कया जाता है और नि धयों की उपलब्धता, उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, पहले से जारी की गई नि धयों की उपयो गता आदि की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है। बिहार में पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं और जारी की गई नि धयों का ववरण अनुबंध में दिया गया है।

पाटलीपुत्र में उलार मंदिर के लए अभी तक कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है।

****

अनुबंध

बिहार में पर्यटन उद्योग के संबंध में दिनांक 01.08.2022 के लोक सभा के ल खत प्रश्न सं. 2501 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में ववरण

1. स्वदेश दर्शन योजना के तहत बिहार में स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण।

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	परिपथ / स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श	जारी की गई रा श
1.	तीर्थंकर परिपथ **2016-17**	वैशाली - आरा - मसाद - पटना - राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का वकास	**34.21**	**26.19**
2.	आध्यात्मिक परिपथ **2016-17**	कांव ड़या मार्ग: सुल्तानगंज - धर्मशाला - देवघर का वकास	**44.76**	**42.52**
3.	बौद्ध परिपथ **2016-17**	बौद्ध परिपथ का वकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	**98.73**	**93.22**
4.	ग्रामीण परिपथ **2017-18**	भतिहरवा - चंद्रहिया - तुरकौ लया का वकास	**44.65**	**35.72**
5.	आध्यात्मिक परिपथ **2017-18**	मंदार हिल और अंग प्रदेश का वकास।	**44.55**	**40.85**
6.	मार्गस्थ सु वधाएं **2018-19**	उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया; कुशीनगर - गया - कुशीनगर में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से मार्गस्थ सु वधाओं का वकास	**15.07**	**12.29**

2. प्रशाद योजना के तहत बिहार में स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत रा श	जारी की गई रा श
1.	वष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सु वधाओं का वकास	2014-15	4.27	2.91
2.	पटना साहिब का वकास	2015-16	41.54	33.23

3. पर्यटन अवसंरचना वकास के लए केंद्रीय एजें सयों को सहायता के तहत बिहार में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रू. में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत रा श	जारी की गई रा श
उत्तर प्रदेश (वाराणसी और इलाहाबाद-**I,** इलाहाबाद-**II**), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नीमती, पांडु, जोगीघोपा और बिसवंतघाट)	राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 और 2 पर रिवर क्रूज के आरोहण/अवरोहण के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर घाटों के वकास के लए सीएफए	2019-20	2803.05	700.76

****